आर.एन.आई. पंजीयन क्र. 39596/82 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)

साप्ताहिक

मालव अँचल

वर्ष 47 अंक 24 (प्रति रविवार) इंदौर, 03 मार्च से 09 मार्च 2024 पृष्ठ-8 मूल्य 3 रुपये

प्रधानमंत्री ने तेलंगाना और तमिलनाडु में जनसभा में कहा

जिसका कोई नहीं है वो भी मोदी के हैं और मोदी उनका है

हैदराबाद/ चेन्नई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को तेलंगाना और तमिलनाडु में एक जनसभा को संबोधित किया। पीएम ने तेलंगाना के आदिलाबाद में 56 हजार करोड़ रुपए के कई प्रोजेक्ट्स का इनॉगरेशन किया। इसके बाद उन्होंने यहां एक रैली को संबोधित किया। 25 मिनट की स्पीच में उन्होंने परिवारवाद, कांग्रेस, बीआरएस और तेलंगाना के विकास पर बात की।

भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण में आकंठ डूबे । एनडीआई गठबंधन के नेता बौखलाते जा रहे हैं। मैं इनके परिवारवाद पर सवाल उठाता हूं, तो इन लोगों ने अब बोलना शुरू कर दिया है कि मोदी का कोई परिवार नहीं है। मैं इनसे कहना चाहता हूं कि 140 करोड़ देशवासी ही मेरा परिवार है, जिसका कोई नहीं है वो भी मोदी के हैं और मोदी उनका है। मेरा भारत-मेरा परिवार है। शाम को पीएम ने चेन्नई में एक रैली संबोधित करते हुए फिर दोहराया कि, जिन लोगों का कोई नहीं है, मोदी उनका है। आज पूरा देश एक सुर में कह रहा है- मैं हूं मोदी का परिवार। प्रधानमंत्री ने तेलंगाना में बीआरएस सरकार और तमिलनाडु में डीएमके सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- टीआरएस तो बीआरएस बन गया, लेकिन उससे कुछ नहीं बदला। जैसे ही मैंने करोड़ों रुपए की विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, कुछ लोगों ने इसे चुनावी सभा कहा है। मैं उन विश्लेषकों को बताना चाहता हूं कि अभी चुनाव की घोषणा भी नहीं हुई है। यह चुनावी सभा नहीं बल्कि तेलंगाना में विकास उत्सव है।

मोदी ने कहा- देश के कोटि-कोटि लोग मुझे अपना मानते हैं। अपने परिवार के सदस्य की तरह मुझे प्यार करते हैं। 140 करोड़ देशवासी ही मेरा परिवार हैं। ये नौजवान यही मेरा परिवार हैं। देश की करोड़ों बेटियां-माताएं-बहनें-गरीब-बच्चे-बुजुर्ग मोदी का परिवार हैं। जिसका कोई नहीं है, वो भी मोदी के हैं और मोदी उनका है। मेरा भारत, मेरा परिवार। यही भावनाओं का विस्तार लेकर मैं सपनों को संकल्प के साथ सिद्ध करने के लिए आपके लिए जी रहा हूं, जूझ रहा हूं और जूझता रहूंगा।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला : वोट के बदले नोट लिए तो चलेगा मुकदमा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नोट के बदले सरकार के पक्ष या विपक्ष में वोट या भाषण दिए जाने या सांसदों, विधायकों द्वारा रिश्वत लिए जाने पर अहम फैसला सुनाते हुए कहा कि यह मसला सदन के विशेषाधिकार से जुड़ा हुआ नहीं है और ऐसे मामलों में न्यायिक प्रक्रिया के तहत मुकदमा चलाया जा सकेगा।

सुप्रीम कोर्ट की 7 जजों की पीठ ने कहा कि सांसदों या विधायकों द्वारा किसी अनैतिक प्रयोजन के बदले वोट दिए जाना भी एक तरह की घूसखोरी है और इसमें छूट कैसे दी जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि विधायक या सांसद होने से उन्हें घूसखोरी की ÷इजाजत नहीं मिल जाती। ऐसे सांसदों को कानूनी संरक्षण का कोई प्रावधान नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने पिछले फैसले में लोकसभा और विधानसभा में पैसा लेकर बयान देने के मामले को सांसदों, विधायकों का विशेषाधिकार मानते हुए अभियोजन से छूट दी थी।

पैसे लेकर भाषण भी दिया तो चलेगा केस सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर सांसद या विधायक पैसे लेकर सदन में भाषण भी देते हैं तो उनके खिलाफ केस चलाया जा सकेगा। 30 साल पहले 1993 में नरसिम्हाराव सरकार के समय झारखंड मुक्ति मोचा क सांसदों ने सरकार को समर्थन देने के लिए वोट दिए थे। ये मामला जब उठा तो सांसद सीता सोरेन ने अपने खिलाफ जारी आपराधिक कार्रवाई को चुनौती देते हुए कहा कि अनुच्छेद 194 के तहत जनप्रतिनिधियों पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता, उन पर आरोप था कि राज्यसभा चुनाव में वोट डालने के लिए उन्होंने रिश्वत ली है। इस मामले में कोर्ट ने उनकी बात को स्वीकारते हुए फैसला दिया था कि यह मामला विशेषाधिकार के तहत आता है।

दमन-दीव से प्रियंका चुनाव लड़े-केतन

दमन दीव (एजेंसी)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी आगामी लोकसभा चुनाव दमन और दीव से लड़ सकती हैं। केंद्र शासित प्रदेश के कांग्रेस अध्यक्ष केतन पटेल ने रविवार को इसकी जानकारी दी। केतन ने कहा प्रियंका गांधी यहां से संभावित उम्मीदवार हो सकती हैं, क्योंकि पार्टी आलाकमान ने उन्हें इसके लिए डेटा इकट्ठा करने के लिए कहा है। मैं इस प्रस्ताव का स्वागत करता हूं। केतन ने बताया, प्रियंका के आने से पूरा दक्षिण गुजरात जो हमेशा कांग्रेस के साथ रहा है और सौराष्ट्र जो दीव से सटा हुआ है, उसे यहां फायदा होगा। पार्टी जो डेटा कलेक्ट कर रही है उसमें जमीनी हकीकत जैसे बिंदु शामिल हैं। इस दौरान मतदाताओं की पसंद और उम्मीदवारों के पिछले प्रदर्शन को देखा जाएगा। कांग्रेस की तरफ से फिलहाल लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की एक भी लिस्ट जारी नहीं की गई है। हालांकि प्रियंका गांधी के दमन और दीव के अलावा यूपी के रायबरेली से भी चुनाव लड़ने की चर्चा है। रायबरेली से लोकसभा सांसद रहीं सोनिया गांधी इस बार चुनाव नहीं लड़ रही हैं। उन्हें राजस्थान से निर्विरोध राज्यसभा सांसद चुना गया। ऐसे में रायबरेली सीट खाली होने पर कांग्रेस सोनिया की सीट से परिवार के किसी सदस्य को ही टिकट दे सकती है।

प्रियंका ने अभी तक कोई चुनाव नहीं लड़ा–लोकसभा चुनाव 2024 में प्रियंका गांधी को अगर कांग्रेस पार्टी की तरफ से टिकट दिया जाता है, तो यह उनका पहला चुनाव होगा। 2019 तक वह अमेठी और रायबरेली में सक्रिय रहीं।

हमारी यात्रा का मकसद हर वर्ग को न्याय दिलाने का-राहुल गांधी

अग्निवीर योजना की वजह से आज गरीब के पास सरकारी सेवा में जाने का रास्ता बंद

भोपाल/ राघोगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने राघौगढ़ में बड़ी संख्या में भारत जोड़ो न्याय यात्रा को अपना समर्थन देने आए लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा कि पहली यात्रा करीब 4 हजार किलोमीटर की थी, जिसे आप सबका जबर्दस्त समर्थन मिला था जिसमें कई राज्य छूट गए थे, इसलिए अब यह दूसरी बार भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाली जा रही है जो कि मणिपुर से महाराष्ट्र तक चलेगी। मध्यप्रदेश ऐसा राज्य है जहां हमें दोनों बार यात्रा करने का सौभाग्य मिला है।

श्री गांधी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने लोगों को धर्म, जाति और प्रदेश की राजनीति में बांट दिया है। कांग्रेस पार्टी यह सुनिश्चित कर रही है कि सब लोग एक साथ आए। भाजपा की विचारधारा नफरत की विचारधारा है और हमारी विचारधारा नफरत के खिलाफ मोहब्बत की दुकान की विचारधारा है। श्री गांधी ने आगे कहा कि इस यात्रा में हमने एक और शब्द जोड़ दिया है और वह शब्द है ''न्याय क्योंकि हमारी यात्रा का मकसद हर वर्ग को 'न्याय' दिलाने का है। भ श्री गांधी ने कहा कि आज 22 लोग हैं जिनके पास देश का 50 प्रतिशत धन है। मोदी जी ने 16 लाख करोड रुपए व्यापारियों के माफ कर दिए हैं, लेकिन किसानों का 1 रुपया भी माफ नहीं किया। श्री गांधी ने कहा कि 50 प्रतिशत पिछड़े, 15 प्रतिशत दलित एवं 8 प्रतिशत आदिवासी, अल्पसंख्यक एवम सामान्य गरीब मिलाकर 90 प्रतिशत होते हैं उनकी भागीदारी नगण्य है। किसी बड़ी कंपनी की लिस्ट निकालो जितनी बड़ी कंपनियों की लिस्ट में उनके मालिकों में एक नाम भी इस 90 प्रतिशत वर्ग के लोगों का नहीं है, उनके सीनियर मैनेजमेंट में भी एक नाम नहीं, मीडिया के मालिकों में भी इस 90 प्रतिशत वर्ग का एक भी नाम नहीं, ब्यूरोक्रेसी में देखें तो 90 लोग जो कि आईएएस अधिकारी हैं उसमें से केवल तीन ओबीसी, एक आदिवासी एवं तीन दलित हैं, जब बजट आता है 100 में से 6 रुपए का केवल ये लोग फैसला करते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि जीएसटी 90 प्रतिशत लोग देते हैं, लेकिन जेब 20 अमीर उद्योगपतियों की भरती है, इन समस्याओं से निजात पाने का तरीका है जाति आधारित जनगणना। अग्नि वीर योजना की बजह से आज गरीब के पास सरकारी सेवा में जाने का रास्ता बंद है।

संपादकीय

दुनिया की सबसे महंगी अनंत-राधिका अंबानी की शादी

भारत के गुजरात में दुनिया की सबसे महंगी शादी का रिकॉर्ड बनने जा रहा है। इस शादी के प्रीवेडिंग में 1000 करोड रुपए से अधिक घोषित रूप से, तथा अघोषित रूप से करोड़ों रुपए खर्च हुएहैं। दुनिया की यह सबसे महंगी शादी है। अनंत और राधिका की शादी ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बना लिया है। मुकेश अंबानी ने अपनी बेटी ईशा अंबानी की शादी में लगभग 700 करोड रुपए खर्च किए थे। अपने बेटे अनंत अंबानी की शादी में 1000 करोड रुपए से ज्यादा घोषित रूप से खर्च किए हैं। भारत में सबसे महंगी शादी का विश्व रिकॉर्ड होगा। इस शादी में दुनिया भर से मेहमान भारत आए हैं। 1 मार्च से लेकर 3 मार्च तक बड़े स्तर पर प्री वेडिंग के फंक्शन रखे गए हैं। लाइव फंक्शन और लाइट डेकोरेशन में करोड़ों रुपए खर्च किए गए हैं। इंटरनेशनल स्टार रिहाना और बॉलीवुड सिंगर अरिजीत सिंह के लाइव शो में एक अरब रुपए से ज्यादा खर्च किए गए हैं। मुकेश अंबानी की बेटी ईशा अंबानी की ज़ब शादी हुई थी। ईशा की शादी ने सबसे महंगी शादी का विश्व रिकॉर्ड बनाया था। उस शादी के रिकॉर्ड को मुकेश अंबानी ही तोड़ने जा रहे हैं। अनंत और राधिका की शादी में 1000 करोड रुपए से अधिक खर्च कर रहे है। अनंत राधिका की प्री वेडिंग गुजरात के जामनगर में हो रही है। शादी मुम्बई में होगी। अनंत की दादी का जन्म जामनगर में हुआ था। जामनगर से ही धीरूभाई अंबानी ने अपने बिजनेस का सफर शुरू किया था।मुकेश अंबानी ने भी जामनगर से अपने बिजनेस को आगे बढ़ाया। गुजरात के जामनगर को दुनिया भर में यादगार बनाने के लिए, जामनगर में प्री वेडिंग का आयोजन किया गया है। दुनिया भर से मेहमानों को जामनगर आमंत्रित किया गया। 10 दिनों के लिए जामनगर एयरपोर्ट को इंटरनेशनल एयरपोर्ट का दर्जा भारत सरकार ने दिया है।100 से अधिक निजी जेट विमान जामनगर पहुंचे हैं। दुनिया में अनंत और राधिका की शादी ने एक इतिहास रच दिया है।सबसे महंगी शादी का यह वर्ल्ड रिकॉर्ड बनना तय है। मुकेश अंबानी दुनिया के 10 सबसे बड़े धनवानो में शामिल हैं। उस हिसाब से शादी में यदि वह 1000 करोड रुपए से अधिक खर्च कर रहे हैं, तो इसे कोई बड़ी रकम नहीं कहा जा सकता है। भारतीय परिवारों मे शादियों पर भारी खर्च करने का शौक होता है। निम्न और मध्यम वर्ग भी अपनी आर्थिक हैसियत के अनुसार शादी में अपनी सीमा से अधिक खर्च करता है। अनंत अंबानी की शादी में मुकेश अंबानी ने दिल खोलकर अपनी हैसियत के अनुसार सीमित पैसा ही खर्च कर रहे हैं। शादी और प्री वेडिंग के सभी समारोह में हुए खर्च को जोड़ लिया जाए, तो इस शादी मे 2000 करोड रुपए से ज्यादा खर्च किया जा रहा है। मुकेश अंबानी ने आसपास के कई गांव के लोगों को भोजन पर आमंत्रित किया। उन्हें भोजन कराया,अंबानी परिवार ने स्वयं गांव के अतिथियों को खाना परोसा। अनंत अंबानी के बड़े भाई आकाश अंबानी की शादी के खर्च का कोई खुलासा नहीं हुआ।

आकाश अंबानी की शादी के स्विट्जरलैंड में प्री वेडिंग सेलिब्रेशन के आयोजन हुए थे। इसमें 500 से अधिक मेहमानों को बुलाया गया था। होटल में 1लाख रूपये प्रतिदिन से अधिक किराए वाले सैकड़ो कमरे बुक किए गए थे। आकाश की शादी का जो कार्ड छपा था। उस कार्ड की कीमत डेढ़ लाख रुपये प्रति कार्ड थी। जामनगर के इस प्री वेडिंग सेलिब्रेशन में कई फंक्शन आयोजित किए गए। 77 करोड रुपए का भुगतान अकेले रिहाना अंतर्राष्ट्रीय सिंगर को किया गया है। बॉलीवुड की हस्तियां जिसमे शाहरुख खान, अक्षय कुमार, अजय देवगन, करीना कपूर और अन्य परिवार के साथ शादी में भाग लेने के लिए सैकड़ों की संख्या में फिल्मी कलाकार पहुंचे। विदेश से जो मेहमान प्री वेडिंग समारोह में भाग लेने के लिए जामनगर पहुंचे हैं। समारोह की भव्यता और खर्च को देखकर देशी-विदेशी अतिथि हतप्रभ है। विदेशी मेहमानों में आरामको पेट्रोलियम कंपनी के सीईओ, माइक्रो सॉफ्ट के बिल गेट्स, फेसबुक के मालिक जुकरबर्ग, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका, कतर के प्रधानमंत्री, सुंदर पिचाई, इंग्लैंड के क्रिकेटर सेमकरन अपनी गर्लफ्रेंड इसाबेला ओर कई महत्वपूर्ण विदेशी और देसी सेलिब्रिटी अनंत-राधिका अंबानी के प्री वेडिंग समारोह में शामिल हुए हैं।

कपड़ो की तरह दल बदल रहे है अवसरवादी नेता!

ललित गर्ग

सन 2014 से अब तक 8 पूर्व मुख्यमंत्री पाला बदल चुके हैं। इनमें अशोक चव्हाण, कैप्टन अमरिंदर सिंह और नारायण राणे का नाम प्रमुख हैं। वहीं 20 से ज्यादा केंद्रीय मंत्री भी दलबदल के खेल में शामिल हुए। उत्तराखंड लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी भाजपा ने कांग्रेस के विधायक रहे राजकुमार को भाजपा में शामिल कर लिया था। इससे पूर्व धनौल्टी क्षेत्र के निर्दलीय विधायक प्रीतम सिंह पंवार को पहले ही भाजपा में शामिल किया जा चुका है। उत्तरकाशी जिले की पुरोला सीट से कांग्रेस विधायक रहे राजकुमार ने दिल्ली में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी। राजकुमार ने भाजपा केंद्रीय नेतृत्व के सामने देहरादून की एक सीट से टिकट देने की शर्त रखी है। जिसे स्वीकार करने पर ही दलबदल हुआ था। हाल ही में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने वर्षों पुरानी अपनी कांग्रेस पार्टी को छोड़कर भाजपा की सदस्यता ले ली और भाजपा टिकट पर राज्यसभा पहुंच गए। सन 2014 के बाद सबसे ज्यादा दलबदलू नेता बीजेपी में गए हैं। एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ 2014 से 2021 तक विधायक-सांसद स्तर के 426 नेताओं ने बीजेपी का दामन थामा है। कांग्रेस में सिर्फ 176 दलबदलू नेता शामिल हुए। 7 दिन में 4 राज्यों के दो दर्जन से ज्यादा नेताओं ने पाला बदल लिया है। दल बदलने वालों में पूर्व मुख्यमंत्री से लेकर महापौर स्तर के नेता शामिल हैं। राजस्थान कांग्रेस के विधायक महेंद्रजीत सिंह मालवीय ने भी हाथ का साथ छोड़कर कमल का दामन थाम लिया है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के करीबी और जबलपुर के मेयर जगत बहादुर अन्नू जरूर कांग्रेस छोड़ बीजेपी में शामिल हो गए है। भारत में दलबदल का खेल सन 1960-70 में हरियाणा से शुरू हुआ था। धीरे-धीरे यह सियासी रोग पूरे भारत में फैल गया। 2014 के बाद नेताओं के दलबदल के मामलों में काफी तेजी आई है।

सत्ता जाने के डर से भाजपा फिलहाल येनकेन प्रकारेण स्वयं को मजबूत करने के लिए विपक्षी विधायकों पर डोरे डाल रही है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेंद्र भट्ट तो खुले रूप में कांग्रेसी विधायकों को भाजपा में शामिल होने का आमंत्रण दे रहे है। हालांकि अंदरूनी गुटबाजी के चलते भाजपाका खुद का कुनबा बिखरने के कगार पर है। जिनमे कांग्रेस के बागी रहे और अब भाजपा के कभी भी भाजपा को बॉय बॉय बोल सकते है।

लोकसभा चुनाव नजदीक है, ऐसे में हर दल अपना कुनबा बढ़ाने में जुटा है। बसपा के सांसदों में हाथी से उतरने की होड़ मची हुई है। दो सांसदों ने जहां दूसरे दलों का दामन थाम लिया है। वहीं दो सांसदों ने राहुल की न्याय यात्रा में शामिल होकर नीला झंडा उतारने का संकेत दे दिया है। इसी हफ्ते पार्टी के कई सांसद दूसरे दलों में शामिल होने की घोषणा कर सकते हैं। बसपा के कुल 10 सांसद सन 2019 के लोकसभा चुनाव में जीते थे। इनका 2024 लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी से मोहभंग होने लगा है। अपने कार्यकाल के अंतिम साल ये सांसद बीजेपी, सपा और कांग्रेस नेताओं से संपर्क करने लगे। इनमें से 4 सांसद बीजेपी, 3 सपा और 3 कांग्रेस के संपर्क में हैं। इनमें से बसपा सांसद अफजल अंसारी का टिकट सपा ने फाइनल कर दिया है। सांसद रितेश पांडेय ने भाजपा का दामन थाम लिया है। इसके साथ ही पार्टी से निलंबित चल रहे सांसद दानिश अली कांग्रेस से मैदान में उतरने की तैयारी में हैं। वहीं श्याम सिंह यादव की सपा-कांग्रेस से नजदीकी काफी बढ़ गई है। इन्होंने भी न्याय यात्रा में शामिल होकर खुद को बसपा से अलग करने का संकेत दे दिया है। लालगंज की सांसद संगीता आजाद भी भाजपा में शामिल हो सकती हैं। बसपा सांसद मलूक नागर रालोद के संपर्क में बताए जा रहे हैं। सहारनपुर के सांसद हाजी फजलुर्रहमान का भी बसपा में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। बसपा के शेष बचे सांसद भी दूसरे दलों में भविष्य तलाश रहे हैं। पीलीभीत से बीजेपी सांसद वरुण गांधी पिछले कुछ समय से अपनी सरकार की योजनाओं की खिलाफत कर रहे थे। जिसके चलते बीजेपी के छोटे-बड़े नेताओं ने वरुण से दूरियां बना ली थी। जिससे उनके टिकट कटने की चर्चा भी चल रही थी। लेकिन इन सबके बीच अब फिर वरुण गांधी पार्टी नेताओं संग बैठे दिखाई देने लगे है। साथ ही वे पीएम मोदी की तारीफ करते भी नजर आए। माना जा रहा है कि बीजेपी और वरुण गांधी में सबकुछ ठीक हो गया है। इससे पहले वरुण कई मौकों पर अपनी ही सरकार को घेरते दिखाई दिए हैं। भारत अमृत योजना के तहत पीएम मोदी रेलवे स्टेशनों का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शिलान्यास कर रहे थे। इस मौके पर सांसद वरुण गांधी पीलीभीत रेलवे स्टेशन पर चल रहे कार्यक्रम में पहुंच गए। इस कार्यक्रम में बीजेपी के जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह सहित तमाम पार्टी के कई नेता मौजूद थे। वरुण और बीजेपी जिला अध्यक्ष चार साल बाद एक मंच पर दिखे। दलबदल कानून में अगर कोई विधायक या सांसद ख़ुद ही अपनी पार्टी की सदस्यता छोड़ देता है या फिर कोई निर्वाचित विधायक या सांसद पार्टी लाइन के खिलाफ जाता है। अगर कोई सदस्य पार्टी ह्विप के बावजूद वोट नहीं करता। अगर कोई सदस्य सदन में पार्टी के निर्देशों का उल्लंघन करता है। तब

विधायक या सांसद बनने के बाद ख़ुद से पार्टी सदस्यता छोड़ने, पार्टी व्हिप या पार्टी निर्देश का उल्लंघन दल-बदल क़ानून में माना जाएगा। अगर किसी पार्टी के दो तिहाई विधायक या सांसद दूसरी पार्टी के साथ जाना चाहें, तो उनकी सदस्यता ख़त्म नहीं होगी। सन 2003 में इस क़ानून में संशोधन भी किया गया। जब ये क़ानून बना तो प्रावधान ये था कि अगर किसी मूल पार्टी में बँटवारा होता है और एक तिहाई विधायक एक नया ग्रुप बनाते हैं, तो उनकी सदस्यता नहीं जाएगी।

लेकिन इसके बाद बड़े पैमाने पर दल-बदल हुए और ऐसा महसूस किया कि पार्टी में टूट के प्रावधान का फ़ायदा उठाया जा रहा है। इसलिए ये प्रावधान ख़त्म कर दिया गया। संविधान में 91वाँ संशोधन जोड़ा गया। जिसमें व्यक्तिगत ही नहीं, सामूहिक दल बदल को असंवैधानिक करार दिया गया। विधायक कुछ परिस्थितियों में सदस्यता गँवाने से बच सकते हैं। अगर एक पार्टी के दो तिहाई सदस्य मूल पार्टी से अलग होकर दूसरी पार्टी में मिल जाते हैं, तो उनकी सदस्यता नहीं जाएगी। ऐसी स्थिति में न तो दूसरी पार्टी में विलय करने वाले सदस्य और न ही मूल पार्टी में रहने वाले सदस्य अयोग्य ठहराए जा सकते हैं। जब पूरी की पूरी राजनीतिक पार्टी अन्य राजनीति पार्टी के साथ मिल जाती है। अगर किसी पार्टी के निर्वाचित सदस्य एक नई पार्टी बना लेते हैं।

अगर किसी पार्टी के सदस्य दो पार्टियों का विलय स्वीकार नहीं करते और विलय के समय अलग ग्रुप में रहना स्वीकार करते है। जब किसी पार्टी के दो तिहाई सदस्य अलग होकर नई पार्टी में शामिल हो जाते हैं। 10वीं अनुसूची के पैराग्राफ़ 6 के मुताबिक़ स्पीकर या चेयरपर्सन का दल-बदल को लेकर फ़ैसला आख़िरी होगा। पैराग्राफ़ 7 में कहा गया है कि कोई कोर्ट इसमें दखल नहीं दे सकता। लेकिन 1991 में सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक बेंच ने 10वीं अनुसूची को वैध तो ठहराया लेकिन पैराग्राफ़ 7 को असंवेधानिक क़रार दे दिया। आज नेताओं के बीच दलबदल जितना सहज और सरल हो गया है, वोटर के लिए नेता उतना ही अविश्वसनीय होता जा रहा है। किसी भी स्तर का चुनाव जीतने के बाद नेताओं के रहन-सहन में जो बदलाव लाता है, वह वोटर की निगाह से बच नहीं पाता। इसका असर विभिन्न स्तर के चुनावों में वोटिंग परसेंटेज में गिरावट के तौर देखा जा सकता है। मध्यप्रदेश में हाल ही में संपन्न हुए स्थानीय निकायों के चुनाव के बाद ऐसे दृश्य बड़ी संख्या में देखने को मिले हैं, जिसमें जीत का प्रमाण पत्र मिलने के बाद निर्वाचित प्रतिनिधि ने उस दल को छोड़ दिया, जिसके सिंबल पर वह चुना गया था।

भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस दोनों ही राजनीतिक दलों को अपने नव निर्वाचित जन प्रतिनिधियों को पाले में बनाए रखने के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ी थी, चुनाव के तत्काल बाद जिस तरह से निर्वाचित प्रतिनिधियों ने दलबदल किया उसके बाद वोटरो के बीच उसकी छवि पर भी विपरीत असर पड़ा है। दल बदल की बढ़ती प्रवृति लोकतंत्र के लिए भी घातक मानी जा रही है। देश के किसी भी राज्य में ऐसा कोई कानून नहीं है जो स्थानीय निकायों के निर्वाचित जन प्रतिनिधियों को दलबदल करने से रोकता हो। अभी सांसद और विधायकों के दलबदल को रोकने वाला ही कानून देश में लागू है। इसके बाद भी देश में बढ़ी संख्या में विधायक दल बदल करते देखे जा सकते हैं। कई राज्यों में बहुमत वाली सरकारें दल बदल के कारण अल्पमत में आईं है, बाद में उस दल की सरकार बनी जिसे जनता ने सरकार बनाने का जनादेश नहीं दिया था। कर्नाटक और मध्यप्रदेश में भी विधायकों के इस्तीफे दिए जाने के कारण सरकारें अल्पमत में आईं है। मौजूदा दल बदल कानून विधायकों को इस्तीफा देने से नहीं रोकता है। सैद्धांतिक तौर पर भी देखा जाए तो सांसद अथवा विधायक के तौर पर निर्वाचित व्यक्ति यदि इस्तीफा देकर दूसरे दल में शामिल होता है तो वह गलत नहीं माना जा सकता।

विधायकों और सांसदों के दल बदल में अब यही चलन देखने को मिल रहा है। जबकि निकायों के प्रतिनिधि दल को छोड़े बगैर ही क्रॉस वोटिंग के जरिए अपनी प्रतिष्ठा को दांव पर लगा रहे हैं। जिसे लोकतांत्रिक दृष्टि से अच्छा नही माना जा सकता। जिसके परिणाम आने वाले समय मे घातक हो सकते है।

ऐसी अंडरग्राउंड बिजली की लाइन बन न जाए जनहानि का कारण

इंदौर। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी चंदन नगर, खजराना और अन्य कई क्षेत्रों में अंडरग्राउंड बिजली की लाइन बिछा रही है। इसके पीछे तर्क दिया जा रहा है कि अंडरग्राउंड लाइनों से बिजली चोरी रोकने में मदद मिलेगी। हालांकि बिजली कंपनी द्वारा जिस प्रकार का कार्य किया जा रहा है उससे बिजली चोरी रुके न रुके जनहानि की संभावना जरुर प्रबल हो जाती है। बिजली कंपनी द्वारा जमीन में अंडरग्राउंड ड्रिलिंग कर पाइप डाला जा रहा है और उसके अंदर सिंगल कोर केबल डाली जा रही है। इसकी डीपियां भी रोड पर ही बना दी गई है। इन डीपी से कभी भी कोई वाहन टकराकर उन्हें क्षतिग्रस्त कर सकता है, जिससे करंट फैल सकता है।

जानकारी अनुसार चंदन नगर में बिछाई जा रही अंडर ग्राउंड बिजली की लाइनों को देखकर ही समझा जा सकता है कि काम किस प्रकार किया जा रहा है। बिजली कंपनी द्वारा पानी की लाइन के साथ ही बिजली की केबल डाल दी गई हैं। इससे हादसा होने की संभावना है प्रबल हो जाती हैं। वही अंडरग्राउंड लाइनों के लिए सिंगल कोर केबल डाली जा रही है। तकनीकी विशेषज्ञों की मानें तो अंडरग्राउंड लाइन के लिए यूजी केबल का उपयोग किया जाता है।

एमडी अमित तोमर ने नहीं उठाया फोन

मामले में जब पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के एचडी अमित तोमर से चर्चा करना चाहिए तो उन्होंने मोबाइल रिसीव नहीं किया।

एसई-प्रोजेक्ट इंचार्ज ने एक-दूसरे से बात करने का कहा

अंडरग्राउंड विद्युत लाइन प्रोजेक्ट के संबंध में जब बिजली कंपनी के सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर मनोज शर्मा से चर्चा की तो उन्होंने कहा इसके प्रोजेक्ट की कॉपी और शर्तें एमडी ऑफिस स्थित प्रोजेक्ट कार्यालय से मिलेगी। वही जब एमडी ऑफिस स्थित प्रोजेक्ट इंचार्ज एसएल करवाड़िया से प्रोजेक्ट किसकी सेवा शर्त एवं संबंधित नियमों की कॉपी मांगी तो करवाड़िया ने कहा यह प्रोजेक्ट तो शहर संभाग के एसई मनोज शर्मा के पास मिलेगा। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि बिजली कंपनी के अधिकारी प्रोजेक्ट की जानकारी जनता को नहीं देना चाहत रहे। प्रोजेक्ट इंचार्ज एसएल करवाड़िया तो साफ कह दिया आपको इससे क्या मतलब हमारी टीम कार्य कर रही है।

वाहनों से क्षतिग्रस्त हो सकती है डीपियां

बिजली कंपनी के इंजीनियरों द्वारा जो डीपी बनाई गई है वह सड़क पर करीब एक से डेढ़ फीट बाहर है, जो कि वाहनों की जद में हैं। कॉलोनी-मोहल्ले होने के कारण किशोर भी यहां वाहन चलते हैं। ये किशोर या अन्य लोगों द्वारा इन डीपीओ से वाहन टकरा सकते हैं और बड़ा हादसा हो सकता है। इस ओर बिजली कंपनी के अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया।

पुलिस विभाग का जन संवाद कार्यक्रम संपन्न

इंदौर। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार, पुलिस विभाग द्वारा 'पुलिस जनसंवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया यह कार्यक्रम रविवार, 3 मार्च 2024 को दोपहर 12:00 बजे से 2:00 बजे तक देवगुराड़िया ग्राम पंचायत परिसर में खुडैल पुलिस थाना प्रभारी दीपक खत्री ने आयोजित किया श्री खत्री द्वारा क्षेत्र के जन प्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक, मंडलों के प्रतिनिधि, जनसामान्य, और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों से सुरक्षा संबंधित समस्याओं पर संवाद किया गया कार्यक्रम में पुलिस विभाग के अधिकारियों ने नागरिकों से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्या और सुझाव को जाना पुलिस कार्य प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए उनका सहयोग प्राप्त करना एवं ग्रामीण क्षेत्र में सुरक्षा समिति गठित करना संबंधित विषय पर चर्चा हुई एवं महाशिवरात्रि पर देवगुराड़िया में लगने वाले मेले को लेकर भी चर्चा की गई इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पुलिस चौकी कंम्पेल प्रभारी सत्येंद्र सिंह सिसोदिया. जनपद पंचायत उपाध्यक्ष सुभाष चौधरी. सरपंच प्रतिनिधि महेश वसुनिया.पूर्व सरपंच माखन पटेल.रवि गुप्ता .अनुराग पांडया अनिल सेठ.राधेश्याम वसुनिया.मोनू अग्रवाल आदि ग्रामीण उपस्थित रहे कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष रूप से खुडैल पुलिस के देवेंद्र तिवारी(आर 667) सहित समस्त स्टाफ का विशेष सहयोग रहा है।

मरीजों की देखभाल और इंजेक्शन लगाने का प्रशिक्षण देगी यूनिवर्सिटी

अप्रैल से होगी 20 सीटों वाले नए कोर्स की शुरुआत

इन्दौर। छोटे परिवार के मरीजों को बेहतर देखभाल की सुविधा देने के उद्देश्य से आप यूनिवर्सिटी एक नया कोर्स शुरू करने वाली है। इसमें छात्रों को मरीजों का ख्याल रखने के अलावा उन्हें दवा व इंजेक्शन देने के साथ बाकी जरूरी काम भी सिखाए जाएंगे। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी अधिकारियों के अनुसार इसको इसकी अवधि बहुत कम होगी मात्र 3 महीने में यह कोर्स पूर्ण हो जाएगा। इसके बाद छात्रों को सर्टिफिकेट दिया जाएगा। 20 सीटों वाले इस पाठ्यक्रम की शुरुआत अप्रैल से होगी। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय और अस्पताल के बीच अनुबंध किया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रबंधन की मानें तो कुशल पेशेंट केयर असिस्टेंट की डिमांड बढ़ गई है। अस्पताल और घर में मरीजों का देखभाल के लिए अच्छा वेतन भी दिया जाना लगा है। विश्वविद्यालय के दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र द्वारा वसेर्टाइल सोसायटी एवं निजी अस्पताल के साथ मिलकर तीन माह अवधि वाला पेशेंट केयर असिस्टेंट का सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया जा रहा है।

पेशेंट केयर असिस्टेंट की बढ़ रही है मांग-इस कोर्स का उद्देश्य मरीज की देखभाल के लिए इच्छुक विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कर उन्हें कुशलता से कार्य करने के लिए तैयार करना है।

साप्ताहिक मालव आंचल के स्वामित्व एवं विवरण के सम्बन्ध में

घोषणा पत्र

फार्म 4 (नियम 3 देखिए)

1.	**प्रकाशक का स्थान**	- 22, प्रेस काम्पलेक्स, इन्दौर
2.	**प्रकाशन अवधि**	- दैनिक
3.	**मुद्रक का नाम**	- जयश्री जैन
	(क्या भारतीय नागरिक है)	- हां
	(यदि विदेशी है तो मूल देश का पता)	22, प्रेस काम्पलेक्स, इन्दौर
4.	प्रकाशक का नाम	- जयश्री जैन
	(क्या भारतीय नागरिक है)	- हां
	(यदि विदेशी है तो मूल देश का पता)	22, प्रेस काम्पलेक्स, इन्दौर
5.	सम्पादक का नाम	- जयश्री जैन
	(क्या भारतीय नागरिक है)	- हां
	(यदि विदेशी है तो मूल देश का पता)	22, प्रेस काम्पलेक्स, इन्दौर
6	उन व्यक्तियों के नाम व पते	- जयश्री जैन
	जो समाचार पत्र के स्वामी	- 22, प्रेस काम्पलेक्स, इन्दौर
	हो तथा जो समस्त पूंजी के	- इन्दौर
	एक प्रतिशत से अधिक के हिस्सेदार हो	-

मैं **जयश्री जैन** साप्ताहिक मालव आंचल प्रकाशन के लिए एतद् द्वारा घोषित करती हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य है।

जयश्री जैन
प्रकाशक के हस्ताक्षर

मार्च 2024

प्रदेश के 968 थानों में एक लाख से अधिक लोगों से हुआ पुलिस जनसंवाद

पुलिस की वर्दी हमें पॉवर के लिए नहीं, बल्कि नागरिकों की सेवा करने के लिए मिली है: डीजीपी

»» जनसंवाद के माध्यम से मध्य प्रदेश पुलिस ने जानी जनता की अपेक्षाएं/समस्याएं, लिए सुझाव

»» डीजीपी स्वयं पहुंचे अशोका गार्डन थाना क्षेत्र की ग्रीन पार्क कॉलोनी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा विगत समय में हुई पुलिस विभाग की समीक्षा बैठकों में अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस के साथ आमजन की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जनसंवाद के निर्देश दिए गए थे। उन्होंने कहा था कि पुलिस की कार्यक्षमता से जनता का सरोकार रहे, गुंडों में दहशत हो और आमजन का पुलिस पर विश्वास कायम रहे, इसी विश्वास से यह अभियान चलाया गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि जनसंवाद से पुलिसिंग और अच्छी होगी। इन्हीं निर्देशों के परिपालन में प्रदेश के सभी 968 थानों में आईजी, डीआईजी, एसपी, एसडीओपी सहित सभी अधिकारियों की उपस्थिति में रविवार 3 मार्च को दोपहर 12 से 2 बजे तक 'पुलिस जनसंवाद' का आयोजन किया गया । इसी तारतम्य में भोपाल के अशोका गार्डन थाना क्षेत्र की वर्धमान ग्रीन पार्क कॉलोनी में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में पहुंचे डीजीपी सुधीर सक्सेना ने कहा कि पुलिस की वर्दी हमें पॉवर के लिए नहीं, बल्कि नागरिकों की सेवा करने के लिए मिली है। जब हम जनता की सेवा करेंगे तब ही वर्दी पहनना सार्थक होगा। उन्होंने कहा कि जनता और पुलिस को साथ जुड़कर काम करना अत्यंत आवश्यक है। आमजन द्वारा सीसीटीवी लगाए जाने की पहल की सराहना करते हुए डीजीपी सक्सेना ने कहा कि पूरे प्रदेश में योजना बनाकर यथासंभव तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी ताकि अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण संभव हो सके। डीजीपी द्वारा दिए गए आदेश के अनुसार आमजन की अपेक्षाएं एवं सुझाव प्राप्त करने के लिए आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में थाना क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, प्रबुद्धजनों, विभिन्न व्यवसायों जैसे डॉक्टर, अधिवक्ता, शिक्षाविद, विभिन्न व्यापारिक मंडलों के प्रतिनिधियों, जनसामान्य से जुड़ी संस्थाओं के प्रतिनिधियों आदि ने सहभागिता की। इस कार्यक्रम में आमंत्रित व्यक्तियों से उनके निवास के क्षेत्र में सुरक्षा का वातावरण, पुलिस से उनकी अपेक्षाओं, सुरक्षा संबंधी समस्याओं व सुझावों की जानकारी प्राप्त की गई तथा पुलिस की कार्यप्रणाली के बारे में उन्हें अवगत कराया गया।

जनोन्मुखी पुलिस बनाने की मुख्यमंत्री की इच्छा अनुरूप हुआ प्रदेशव्यापी संवाद- जनसंवाद में लोगों ने साइबर क्राइम, सीसीटीवी कैमरा इंस्टालेशन, नशा मुक्ति, महिला सुरक्षा, पुलिस का आमजन से व्यवहार तथा छोटे-मोटे विवादों को पुलिस की मध्यस्थता से सुलह कराने जैसे विषय रखे। डीजीपी सक्सेना ने कहा कि आमजन की अपेक्षाओं और सुझावों से पुलिस की आगामी कार्यनीति निर्धारित की जाएगी, ताकि मुख्यमंत्री की मंशानुरूप पुलिस-आमजन सहभागिता सुनिश्चित हो सके और अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास और जनता का साथ ही पुलिस को सक्षम बनाएगा। कुछ ऐसे अपराध हैं, जो पुलिस अकेली नियंत्रित नहीं कर सकती, जैसे- सुचारु ट्रैफिक व्यवस्था, नशा मुक्ति, सामाजिक कुप्रथाएं आदि।

आमजन के सुझावों से पुलिस बनेगी बेहतर- डीजीपी-डीजीपी ने वर्धमान ग्रीन पार्क में आयोजित 'पुलिस जनसंवाद' में उपस्थितजन से उनके क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस से उनकी अपेक्षाओं की जानकारी और सुझाव लिए। इस अवसर पर डीजीपी सक्सेना ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशानुसार इस कार्यक्रम को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य बैठकर-मिलजुलकर विचार-विमर्श करना है, ताकि हम आपकी अपेक्षाएं और आपके सुझाव जान सकें। पुलिस कार्रवाई के वैधानिक और व्यावहारिक पहलुओं की आपको भी जानकारी हो। जब हम मिलकर बात करेंगे तभी समाधान निकलेगा। सक्सेना ने कहा कि नशे को रोकने में भी जनता पुलिस का सहयोग करे। नशे के दुष्परिणामों के बारे में अन्य लोगों को जागरूक करें। साइबर क्राइम से बचने के प्रति भी आप जागरूक हों और दूसरों को जागरूक करें। साथ मिलकर समाज को सुदृढ़, सुरक्षित व अच्छा बनाएं ताकि मप्र शांति का टापू बना रहे। उन्होंने कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आपने आज जो भी सुझाव हमारे समक्ष रखे हैं, उन्हें हम पूरी गंभीरता से लेकर उन्हें दूर कर सुधार करने का पूरा प्रयास करेंगे।

रिश्वत लेते पकड़ाया रोजगार सहायक

जबलपुर लोकायुक्त ने की बड़ी कार्यवाही

बालाघाट। एक रोजगार सहायक ने प्रधानमंत्री आवास योजना के स्वीकृत मकान के बदले 20 हजार रुपये की रिश्वत मांगी और अंततः जबलपुर लोकायुक्त की टीम ने उसे 10 हजार रुपये बतौर रिश्वत लेते रंगे हाथ धरदबोचा। आवेदक पहले ही उसे 5 हजार रुपये दे चुका था। मामला ग्राम पंचायत चिखलाबांध का है जहां कृष्ण कुमार चौधरी को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2020 में मकान स्वीकृत हुआ, लेकिन रिश्वत नहीं देने के कारण उसका कार्य लटकाए रखा गया और अन्ततः रिश्वत लेते रोजगार सहायक जयचंद बिसेन को आज सोमवार को लोकायुक्त ने गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी अनुसार प्रधानमंत्री आवास योजना के 2020 में स्वीकृत एक मकान के लिए ग्राम पंचायत चिखलाबांध में रोजगार सहायक द्वारा रिश्वत मांगी गई थी। जबलपुर लोकायुक्त की टीम ने कृष्ण कुमार चौधरी के आवेदन पर कार्रवाई करते हुए कार्यवाही की है। दरअसल कृष्ण कुमार चौधरी को प्रधानमंत्री आवास योजना का मकान स्वीकृत तो 2020 में हो गया, लेकिन इसके निर्माण में अनेक बार बाधायें उत्पन्न की जा रहीं थीं, जिसका कारण दान-दक्षिणा था। कृष्ण कुमार से ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक जयचंद बिसेन ने बतौर रिश्वत 20 हजार रुपये की मांग की थी। आवेदक कृष्ण कुमार का कहना था कि वह इतनी बड़ी राशि देने में असमर्थ था अतः बाद में सौदा 15000 पर तय हो गया। इसके बाद पहली किश्त के तौर पर उसने 5000 रुपये रोजगार सहायक जयचंद बिसेन को दे दिये थे। बिसेन ने शेष राशि शीघ्र देने के बाद ही मकान की पूर्णता स्वीकृति दिलाने की बात कही थी। इससे परेशान कृष्ण कुमार चौधरी आवेदक ने लोकायुक्त जबलपुर को पूरी घटना बताई और आवेदन प्रेषित किया। इस पर लोकायुक्त टीम ने गंभीरता से लेते हुए आज सोमवार 4 मार्च को रिश्वत मांगने वाले आरोपी जयचंद बिसेन की घेराबंदी कर जाल बुना और उसे ग्राम पंचायत अमयी में 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए धरधबोचा। लोकायुक्त टीम के डीएसपी दिलीप झड़बडे ने मामले के संबंध में बताया कि शिकायतकर्ता कृष्ण कुमार चौधरी की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए आज उनके छह सदस्यों की टीम ने 10हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ रोजगार सहायक ग्राम पंचायत चिखला बांध के कर्मचारी जयचंद बिसेन को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी ने भागने की कोशिश भी की,

पूर्व वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी सुखराज सिंह भाजपा में शामिल

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद एवं न्यू जॉइनिंग टोली के संयोजक डॉ. नरोत्तम मिश्रा के समक्ष प्रदेश कार्यालय में रविवार को पूर्व वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी, राज्य सूचना आयुक्त एवं विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित सुखराज सिंह ने भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास कार्यो से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

प्रदेश अध्यक्ष ने अंगवस्त्र पहनाकर उनका स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी परिवार लगातार बढ़ रहा है। जिसके अंतर्गत आज मध्यप्रदेश के पूर्व वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी, राज्य सूचना आयुक्त एवं विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित सुखराज सिंह ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। सिंह की समाज में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मैं भाजपा परिवार में उनका स्वागत करता हूं। सुखराज सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की रीति-नीति एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकासोन्मुखी नीतियों से प्रभावित होकर समाज की सेवा के लिए मैंने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है।

पार्टी मुझे जो भी दायित्व देगी मैं पूरी निष्ठा के साथ उसका निर्वहन करूंगा। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल एवं एस.एस. उप्पल उपस्थित रहे।

राज्यपाल एल.एन.सी.टी. विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह में हुए शामिल

मानव कल्याण में ही शिक्षा की सार्थकता-मंगुभाई पटेल

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि मानव कल्याण में ही शिक्षा की सच्ची सार्थकता है। दीक्षित विद्यार्थी आजीवन मानवहित में काम करें। गरीब और वंचित वर्गों की मदद के लिए तत्पर और संवेदनशील रहें। जीवन की प्रत्येक सफलता में परिवार, समाज और राष्ट्र का स्मरण रखें। उन्होंने उपस्थित युवाओं का आह्वान किया कि अपने ज्ञान और विशेषज्ञता से विकसित भारत के निर्माण में योगदान दें।

राज्यपाल पटेल एल.एन.सी.टी. विश्वविद्यालय भोपाल के तृतीय दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान के लिए फिल्म जगत के प्रसिद्ध गीतकार समीर अनजान, शिक्षाविद सुश्री शिवानी पाटिल, पैरास्विमर सतेन्द्र सिंह लोहिया, आध्यात्मिक गुरु श्रीश्री हरिहरानंद स्वामी और अनिल गोस्वामी को विश्वविद्यालय की ओर से मानद उपाधि और मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए। विश्वविद्यालय की स्मारिका का लोकार्पण भी किया। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि विकसित और स्वस्थ भारत

के लिए युवाओं का स्वस्थ, शिक्षित और दक्ष होना ज़रूरी है। युवाओं को अपने ख़ान-पान का विशेष ध्यान रखना चाहिए। श्री पटेल ने युवाओं को नियमित व्यायाम, पौष्टिक आहार, भरपूर पानी और नींद के चार मंत्र दिए है। डिस्कवरी, डिस्कशन और एनालिसिस बेस्ड तरीक़े से सिखाए-राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि आज का युवा, कल का भविष्य हैं। विश्वविद्यालय गुणवत्तापरक मानव संसाधन तैयार करने की दिशा में कार्य करें। विद्यार्थियों को डिस्कवरी, डिस्कशन और एनालिसिस बेस्ड सिखाने के तरीक़े बनाए। उन्हें क्या सोचें के बजाए, कैसे सोचें, इसके लिए प्रशिक्षित करे। श्री पटेल ने कहा कि छात्रों में रिसर्च, रेनोवेशन और एक्सिलेंस के लिए समर्पण की भावना विकसित करें। शिक्षा के साथ विद्यार्थियों में हुनर और उद्यमिता के गुण विकसित करें। उन्हें जॉब सीकर नहीं, जॉब गीवर बनाएं। राज्यपाल पटेल ने कहा कि विद्यार्थियों को समाज और राष्ट्र विकास की ज़रूरतों और चुनौतियों के समाधान खोजने के लिए प्रेरित करें। उन्हें वंचित वर्गों की क्षमता विकास में सहयोग का अनुभव उपलब्ध कराएं। राज्यपाल मंगुभाई पटेल का कार्यक्रम में पौधा भेंट से स्वागत और स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया। केंद्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने मानद उपाधि प्राप्तकर्ता, दीक्षित विद्यार्थी और स्वर्ण पदक विजेताओं को बधाई और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। स्वागत भाषण विश्वविद्यालय के कुलपति जे.एन. चौकसे ने दिया। आभार सचिव एल.एन.सी.टी. ग्रुप डॉ. अनुपम चौकसे ने व्यक्त किया। दीक्षांत समारोह में वाइस चैयर पर्सन श्रीमती पूनम चौकसे, कार्यपालक निदेशक धर्मेन्द्र गुप्ता, विश्वविद्यालय शिक्षा परिषद् के सदस्य, विद्यार्थी और परिजन उपस्थित थे।

निज़ाम बदलते ही बंसल समूह पर सीबीआई की तिरछी नज़र

बंसल समूह के 2 संचालक रिश्वत के आरोप में गिरफ्तार

सुनील बंसल भी सोमवार को पहुंचे सीबीआई दफ्तर

भोपाल। मध्य प्रदेश का निज़ाम बदल गया है। इसके साथ ही बंसल समूह का भाग्य भी बदल रहा है। सीबीआई ने बंसल समूह के ऊपर जो कार्यवाही की है, वह गुप्त सूचनाओं के आधार पर की गयी है। इस कार्यवाही से बंसल समूह में हड़कंप मच गया है। बंसल समूह को कई बड़े-बड़े ठेके सरकारी सरपरस्ती के चलते मिले थे। निज़ाम बदलते ही बंसल समूह पर शनि, राहु-केतु की नज़र तिरछी हो गयी है। बंसल समूह के कष्ट आने वाले दिनों में और भी बढ़ने वाले है। इसी के चलते बंसल समूह के मालिक सुनील बंसल भी सोमवार को सीबीआई दफ्तर पहुंचे।

बंसल समूह निशाने पर

सीबीआई ने 20 लाख रुपए की रिश्वत लेन-देन के आरोप में नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) के जीएम, डीजीएम और भोपाल स्थित बंसल कंस्ट्रक्शन कंपनी के दो निदेशकों समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने रिश्वत की रकम समेत 1.10 करोड़ रुपए बरामद किए हैं। बंसल ग्रुप के पास एनएचएआई के कई प्रोजेक्ट हैं। सीबीआई की ओर से रविवार रात को जारी प्रेस रिलीज के मुताबिक सड़क निर्माण के लिए एनओसी और बिलों के लिए घूस दी जा रही थी। मामले में बंसल ग्रुप के दो डायरेक्टर अनिल बंसल, कुणाल बंसल और दो अन्य कर्मचारियों को आरोपी बनाया गया है। आरोप है कि बंसल कंस्ट्रक्शन वर्क्स लिमिटेड के कर्मचारी सी. कृष्णा और छत्तर सिंह लोधी नागपुर के आउटर रिंग रोड प्रोजेक्ट के लंबित बिलों के पेमेंट और प्रोजेक्ट कंपलीशन सर्टीफिकेट जारी करने के लिए एनएचएआई के अनिल काले, जनरल मैनेजर एंड प्रोजेक्ट डायरेक्टर, पीआईयू, नागपुर के संपर्क में थे। प्रोजेक्ट डायरेक्टर अरविंद काले को रिश्वत की रकम 25 लाख रुपए पहुंचानी थी। इसमें से 20 लाख रुपए दोनों कर्मचारियों ने एनएचएआई अफसरों की दी। सीबीआई ने रिश्वत की रकम की डिलीवरी के बाद दोनों को पकड़ लिया।

लघु तालाब की गुणवत्ता की जानकारी देने में लग गए 6 साल

राज्य सूचना आयुक्त ने जनपद पंचायत बालाघाट के अधिकारी पर लगाया 25 हजार का जुर्माना

भोपाल। *बालाघाट के एक किसान को आरटीआई में जानकारी लेने में 30 दिन के बजाए 6 साल से ज्यादा समय लग गया। सूचना आयोग के आदेश के बाद भी जानकारी नहीं मिल पाई। अब शिकायत सामने आने पर राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने जनपद पंचायत बालाघाट के अधिकारी के विरुद्ध 25 हजार जुर्माने और साथ ही अनुशासनिक कार्रवाई के आदेश जारी किए है।*

जानकारी के अनुसार बालाघाट के किसान अनिल निनावे ने 2018 में दो आरटीआई दायर करी। एक आरटीआई में पंचायत बिरसा में एक खेत में बने लघु तालाब की गुणवत्ता की शिकायत की जानकारी मांगी थी। वही इसी जनपद में दुसरी आरटीआई आवेदन मे अनिल ने निर्माण कार्य मे निविदा का प्रकाशन नहीं करने की स्वयं की शिकायत पर हुई कार्रवाई की जानकारी भी चाही थी। आरटीआई के कानून के मुताबिक जानकारी 30 दिन में मिल जानी थी। सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने इस बात पर नाराजगी जताई की जो जानकारी 30 दिन में मिल जानी थी, उसे जानकारी को आयोग के आदेश के बाद भी आवेदक को नहीं दिया गया और अब 6 साल बाद मिली जानकारी। राज्य सूचना आयोग ने 2020 में सुनवाई के बाद अनिल को जानकारी देने के आदेश दिए। पर जनपद पंचायत में पदस्थ खंड पंचायत अधिकारी राजेश प्रसाद सोनवाने ने आयोग के आदेश के बाद भी अनिल को कोई जानकारी नहीं दी। आयोग के आदेश की अवहेलना को लेकर अनिल ने राज्य सूचना आयोग में दोनों प्रकरण में शिकायत कर दी। इन शिकायतों की सुनवाई 2021 से आयोग में शुरू हुई। लेकिन राजेश प्रसाद सोनवाने सभी सुनवाईयों में गैर हाजिर रहे। जब दोनों प्रकरण राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह के पास पहुंचा तो उन्होंने इस मामले में हुई सुनवाई को पर्याप्त मानते हुए सोनवाने को अपना पक्ष स्पष्ट करने के अंतिम मौका देने के बाद सोनवाने के विरूद्ध कार्रवाई कर दी। सिंह ने जानकारी देने के आदेश के साथ ही एक मामले मे सोनवाने के विरुद्ध 25 हजार का जुर्माना लगा दिया। वहीं दूसरे प्रकरण में बार-बार आरटीआई अधिनियम का उल्लंघन करने पर शासकीय शर्त सेवा नियम के तहत अनुशासनिक कार्रवाई के लिए राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने विकास आयुक्त मंत्रालय भोपाल को आदेशित कर दिया है।

ये होता है
पैंक्रियाटिक कैंसर जिससे जूझ रहे थे पंकज उदास

बॉलीवुड के मशहूर गायक पंकज उधास पैंक्रियाटिक कैंसर से जूझ रहे थे और 72 साल की उम्र में उन्होंने आखिरी सांसें ली। बता दें कि पैंक्रियाटिक कैंसर यानी आंतों के कैंसर को लेकर लोगों के अंदर कम जानकारी है। दरअसल, पैंक्रियाटिक कैंसर में आंतों में कैंसर की बीमारी हो जाती है। होता ये है कि आंत भोजन क तोड़ने और पचाने का काम करते हैं। इसके लिए पैंक्रियाटिक सेल्स द्वारा डाइजेस्टिव जूस एक्सोक्राइन अग्न्याशय कोशिकाओं द्वारा बनाए जाते हैं और लगभग 95 प्रतिशत पैंक्रियाटिक कैंसर एक्सोक्राइन कोशिकाओं में ही शुरू होते हैं।

पैंक्रियाटिक कैंसर पैंक्रियाटिक कैंसर का कारण अभी भी स्पष्ट नहीं हुआ है। इनमें धूम्रपान और पैंक्रियाटिक कैंसर का पारिवारिक इतिहास शामिल है। पैंक्रियाज लगभग 6 इंच (15 सेंटीमीटर) लंबा होता है। यह इंसुलिन सहित कई हार्मोन जारी करता है। ये हार्मोन आपके द्वारा खाए जाने वाले खाद्य पदार्थों में मौजूद शुगर को पचाने में शरीर की मदद करते हैं। अग्न्याशय शरीर को भोजन पचाने और पोषक तत्व लेने में मदद करने के लिए पाचक रस भी बनाता है।

कैसे होता है पैंक्रियाटिक कैंसर?

पैंक्रियाटिक कैंसर तब होता है जब पैंक्रियाज की कोशिकाएं अपने डीएनए में परिवर्तन विकसित करती हैं। कैंसर सेल्स में तेजी से ग्रोथ बढ़ता है और स्वस्थ कोशिकाएं मर जाएंगी तो कैंसर कोशिकाएं जीवित जाती है। इसके कारण वहां बहुत अधिक कोशिकाएँ हो जाती हैं। कैंसर कोशिकाएं एक साथ मिलकर ट्यूमर बन जाती हैं। ट्यूमर बढ़कर स्वस्थ शरीर के ऊतकों पर आक्रमण कर उन्हें नष्ट कर सकता है। समय के साथ, कैंसर कोशिकाएं टूटकर शरीर के अन्य भागों में फैल सकती हैं। इस प्रकार के कैंसर को पैंक्रियाटिक डक्टल एडेनोकार्सिनोमा या पैंक्रियाटिक एक्सोक्राइन कैंसर कहा जाता है।

पैंक्रियाटिक कैंसर के लक्षण

-पेट का दर्द जो बाजू या पीठ तक फैलता है।
-भूख में कमी और वजन घटना
-त्वचा और आंखों के सफेद भाग का पीला पड़ना, जिसे पीलिया कहा जाता है।
-हल्के रंग का मल या गहरे रंग का पेशाब
-हाथ या पैर में दर्द और सूजन, जो खून के थक्के के कारण बनते हैं
-थकान या कमजोरी।

बदलते मौसम में वायरल इन्फेक्शन से इस तरह करें अपना बचाव

बदलते मौसम में वायरल इन्फेक्शन का खतरा काफी ज्यादा रहता है। इन दिनों इम्युनिटी का खास ख्याल रखना बेहद जरूरी हो जाता है। अगर आप भी इस मौसम को हल्के में ले रहे हैं, और खान-पान में लापरवाही बरत रहे हैं, तो इससे बचने की जरूरत है। घर का एक सदस्य भी अगर वायरल इन्फेक्शन की चपेट में आ जाता है, तो पूरे घर में ये तेजी से फैल जाता है। ऐसे में बेहतर है कि आप सेहत का खास ख्याल रखें और इसी से जुड़े कुछ टिप्स को अभी नोट कर लें। आइए जान लीजिए इससे बचाव के घरेलू तरीकों के बारे में।

तुलसी का काढ़ा

नाखूनों में हो रहे बदलाव को न करें नजरअंदाज

लिवर हमारे शरीर के सबसे जरूरी अंगों में से एक है, जो कई सारे फंक्शन्स के लिए जिम्मेदार होता है, जिसमें से एक है शरीर में मौजूद विषाक्त पदार्थों को यूरिन के रास्ते बाहर निकालना। इसके अलावा भोजन पचाने के लिए जरूरी बाइल जूस का निर्माण, गुड कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखने के साथ रेड ब्लड सेल्स का निर्माण करना। इसलिए इसे सेहतमंद रखना बहुत जरूरी है, लेकिन आजकल हम जिस तरह की लाइफस्टाइल जी रहे हैं और खानपान ले रहे हैं, उससे लिवर को हेल्दी रखना बड़ा मुश्किल हो रहा है। इससे लिवर डैमेज होने का खतरा बढ़ रहा है। हालांकि हमारा शरीर लिवर से जुड़ी

समस्याओं की शुरुआत होने पर कई तरह के संकेत देता है, जिसे पहचानना बहुत जरूरी है। नाखूनों में होने वाले कुछ बदलाव भी करते हैं लिवर से जुड़ी बीमारियों की ओर इशारा।

नाखून का रंग बदलना

लिवर में किसी भी तरह की खराबी आने पर सबसे पहले नाखूनों का रंग बदलने लगता है। मतलब आपके सफेद या हल्के गुलाबी रंग के नाखून एकदम फीके रंग के नजर आते हैं या फिर हल्के पीले। इसके अलावा नाखूनों के तल पर चांद जैसी आकृति भी नजर नहीं आती है। इसे टेरी नेल्स के नाम से जाना जाता है। इस तरह के लक्षण नजर आने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

नाखून पर लाल या पीली रंग की लाइन

नाखूनों पर कई बार हल्के लाल या पीली रंग की धारियां नजर आती हैं, तो ये भी इशारा हैं लिवर से जुड़ी समस्याओं की ओर। अगर लंबे समय तक ये नजर आएं, तो एक बार अपना लिवर टेस्ट जरूर करवा लें।

नाखूनों के आकार में बदलाव

लिवर में किसी तरह की प्रॉब्लम होने पर आकार में भी बदलाव देखने को मिलते हैं। नाखून का आगे वाला हिस्सा उभरा हुआ या नीचे की ओर मुड़ा हुआ दिखाई देता है।

नाखून बहुत अधिक कमजोर होना

सिर्फ विटामिन बी की कमी से ही नहीं, बल्कि लिवर डैमेजिंग की वजह से बई नाखून बहुत कमजोर हो जाते हैं, जिसके चलते नाखूनों की ग्रोथ ही नहीं होती या फिर होते ही टूट जाती है। इस तरह के लक्षणों पर भी नजर रखें और डॉक्टर से मिलने में देरी न करें।

सेहत का खजाना है हरे और काले अंगूर

अंगूर को देखते ही मुंह में पानी आ जाता है। मीठा होने के बावजूद भी अंगूर में किसी भी तरह का शुगर नहीं पाया जाता है। विटामिन, पोटैशियम, मैग्नीशियम और आयरन से भरे अंगूर में ऐसे एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने में काफी मदद करते हैं। वैसे अंगूर को सुबह-सुबह खाली पेट खाना काफी फायदेमंद माना जाता है। यह सिर्फ हमारे शरीर के लिए ही नहीं बल्कि हमारे चेहरे की त्वचा के लिए भी काफी फायदेमंद है।

अंगूर की कई तरह की प्रजातियां होती हैं जैसे लंबे अंगूर, काले-हरे अंगूर, छोटे अंगूर आदि। अंगूर में कैलोरी, फाइबर के साथ-साथ विटामिन सी, ई, के भरपूर मात्रा में पाया जाता है। ये सेहत और उम्र को बढ़ाने में मददगार होते हैं। अंगूर का सेवन करने से कई रोगों से राहत पाई जा सकती है और पेट संबंधित रोगों से निजात मिल सकती है। यह कई रोगों जैसे टीबी, कैंसर, रक्त विकार और पायरिया में लाभ पहुंचाता है। जानें, अंगूर में मौजूद गुणों के बारे में...

अंगूर खाने के फायदे

न्यूट्रिएंट रिच फ्रूट

अंगूर शरीर के लिए जरूरी न्यूट्रिएंट का अच्छा सोर्स माना जाता है, जैसे कि विटामिन सी, विटामिन के, फोलेट, और अन्य मिनरल्स। ये सभी तत्व हमारे फिजिकल हेल्थ को बनाए रखने में अहम रोल अदा करते हैं।

दिल की सेहत के लिए अच्छा

अंगूर में मौजूद अंटीऑक्सिडेंट्स हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। इस फ्रूट का सेवन करने से दिल से जुड़ी परेशानियां कम होने में

मदद मिलती है।

डाइजेशन में सुधार

अंगूर में प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले फाइबर्स होते हैं जो पाचन को सुधारने में मदद करते हैं। ये फाइबर्स पेट संबंधी समस्याओं को कम करने में अहम भूमिका निभाते हैं और साथ ही अच्छा और हल्का महसूस करा सकते हैं।

बढ़ती हुई ऊर्जा

अंगूर में मौजूद नेचुरल शुगर की मात्रा आपको ऊर्जा प्रदान करती है और आपके शरीर को ताजगी और ताकत दिला सकती है। इसलिए अंगूर एक अच्छा प्राकृतिक ऊर्जा का स्रोत साबित हो सकता है।

इम्यूनिटी बूस्टर

अंगूर में पाए जाने वाले विटामिंस और अंटीऑक्सिडेंट्स हमारी रोगप्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। इससे सर्दी, खांसी, जुकाम और फ्लू जैसी वायरल बीमारियों को रोकने में आसानी होती है।

मेंटल हेल्थ के लिए फायदेमंद

अंगूर में पाए जाने वाले अंटीऑक्सिडेंट्स मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने में मदद कर सकते हैं। ये आपके तनाव को कम करने में हेल्प करते हैं और आपको शांति और संतुष्टि महसूस करा सकते हैं।

टीचिंग लाइन में बनाना चाहते हैं करियर तो इन कोर्सेज और एग्जाम्स के जरिए मिलेगी सफलता

शिक्षा के क्षेत्र में सिर्फ स्टूडेंट्स ही नहीं बल्कि टीचर्स के लिए भी कई अवसर मौजूद हैं। भारत में टीचिंग काफी पॉपुलर प्रोफेशन है। यहां टीचर्स का स्थान हमेशा ही ऊंचा रहा है। यही कारण है कि भारत में ज्यादातर युवा खासकर महिलाएं टीचर बनना चाहती हैं।

एलिजिबिलिटी

देश में टीचर बनने के लिए B.Ed होना बहुत जरूरी है। इसके अलावा अपनी योग्यता में इजाफा करने के लिए आप रूश्रस्त्र भी कर सकती हैं। इसके अलावा आप बेसिक ट्रेनिंग सर्टिफिकेट या डिप्लोमा इन एजुकेशन या टीचिंग ट्रेनिंग सर्टिफिकेट भी कर सकती हैं।

टीचर बनने के लिए कोर्स

बीएड (बैचलर ऑफ एजुकेशन)- टीचिंग में आने के लिए बीएड काफी लोकप्रिय है। बीएड करने के लिए एंट्रेंस एग्जाम देना होता है, जिसके लिए ग्रेजुएट होना जरूरी है।

बीटीसी (बेसिक ट्रेनिंग सर्टिफिकेट)- बीटीसी सिर्फ उत्तर प्रदेश के कैंडिडेट्स के लिए होता है, जिसमें सिर्फ राज्य के ही स्टूडेंट्स हिस्सा ले सकते हैं। बीटीसी दो साल का कोर्स है और इसके लिए भी एंट्रेंस एग्जाम देना होता है।

एनटीटी (नर्सरी टीचर ट्रेनिंग)- एनटीटी बड़े शहरों में ज्यादा पॉपुलर है। यह दो साल का कोर्स है, जिसमें एडमिशन 12वीं के मार्क्स के आधार पर और कई जगह एंट्रेंस एग्जाम के बाद दिया जाता है। एनटीटी करने के बाद आप प्राइमरी टीचर बनने के लिए एलिजिबिल होते हैं।

बीपीएड (बैचलर इन फिजिकल एजुकेशन)- आजकल फिजिकल एजुकेशन में जॉब के काफी ऑप्शन हैं। प्राइवेट और सरकारी स्कूल में ज्यादातर फिजिकल टीचर्स की जगह खाली हैं। इसके एंट्रेंस टेस्ट में फिजिकल फिटनेस टेस्ट के साथ ही लिखित परीक्षा भी होती है। एंट्रेंस टेस्ट में पास होने के बाद इंटरव्यू भी क्वालिफाई करना जरूरी है।

जेबीटी (जूनियर टीचर ट्रेनिंग)- जेबीटी के लिए आपको 12वीं पास होना चाहिए। इस कोर्स में एडमिशन मेरिट या एंट्रेंस के आधार पर होता है। इसे करने के बाद आप प्राइमरी टीचर बनने के लिए योग्य हो जाते हैं।

टीचर बनने के लिए जरूरी एग्जाम-

टीजीटी और पीजीटी- यह टेस्ट स्टेट लेवल एग्जाम है, जो मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश और दिल्ली में फेमस है। टीजीटी के लिए ग्रेजुएट और बीएड होना जरूरी है, जबकि पीजीटी के लिए पोस्ट ग्रेजुएट और बीएड डिग्री होना जरूरी है।

टीईटी

देश के कई राज्यों में इस एग्जाम को बीएड और डीएड करने वाले स्टूडेंट्स के लिए कराया जाता है। इस एग्जाम में वे स्टूडेंट भी हिस्सा ले सकते हैं, जिनके बीएड का रिजल्ट नहीं आया है।

सीटीईटी- केंद्रीय विद्यालय, दिल्ली के स्कूल, तिब्बती स्कूल और नवोदय विद्यालयों में टीचर बनने के लिए इस एग्जाम को पास करना होता है। यह एग्जाम सीबीएसई की ओर से आयोजित किया जाता है, जिसमें ग्रेजुएट पास और बीएड डिग्री वाले स्टूडेंट ही हिस्सा ले सकते हैं।

यूजीसी नेट- कॉलेज में लेक्चरर की नौकरी करने के लिए नेट का एग्जाम निकालना जरूरी है। नेट का पेपर एक साल में 2 बार दिसंबर और जून में होता है। कैंडिडेट्स इंग्लिश और हिंदी किसी भी मीडियम से परीक्षा दे सकते हैं।

फ्यूचर अपॉर्च्युनिटी

इस फील्ड में जॉब की कोई कमी नहीं है। देश के दूर-दराज वाले इलाकों में भी अब स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटीज खुल रही हैं। ऐसे में स्कूल-कॉलेज में पढ़ाने के लिए योग्य, ट्रेन्ड और प्रोफेशनल टीचर्स की मांग भी बढ़ती जा रही है।

डेटा एनालिटिक्स में विश्व स्तर पर बना सकते हैं बेहतर भविष्य

आजकल पूरी दुनिया में डेटा एनालिटिक्स का आकर्षण है। अपार संभावनाओं से भरपूर यह क्षेत्र बौद्धिक चुनौतियों, अट्रैक्टिव सैलरी के साथ भविष्य को आकार देने का मौका प्रदान करता है। अगर आप भी दुनिया के किसी ऐसे देश में जाकर अपने डेटा एनालिटिक्स रियर में बेहतरीन ग्रोथ पाना चाहते हैं, तो आइये जानिए कि कौन-कौन से देश आपके लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका

यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका डेटा एनालिटिक्स की दुनिया में निर्विवाद एक दिग्गज के रूप में भूमिका निभा रहा है। अमेरिका तकनीकी, स्टार्टअप्स और बड़ी कंपनियों के साथ एक संपन्न इकोसिस्टम का दावा करता है। इनोवेशन हब सिलिकॉन वैली, लेटेस्ट प्रोजेक्ट्स और बेहतरीन सैलरी प्रदान करता है। हालांकि, यहां हाई कॉस्ट ऑफ लिविंग और इंटेन्स वर्क कल्चर चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं।

कनाडा

अमेरिका की अपेक्षा कनाडा ज्यादा फ्रेंडली, मल्टी कल्चर एनवॉयरमेंट और ज्यादा आरामदायक गति की पेशकश करते हुए कनाडा डेटा एनालिटिक्स की फील्ड में एक उभरता हुआ सितारा है। स्किल्ड टैलेंट की बढ़ती डिमांड के साथ टोरंटो और वैंकूवर डेटा प्रोफेशनल्स को बेहतर अवसर देते हैं।

सिंगापुर

सिंगापुर छोटा देश होने के बावजूद डेटा एनालिटिक्स क्षेत्र में बहुत आगे है। इसकी रणनीतिक स्थिति, मजबूत बुनियादी ढांचा और स्मार्ट नेशन जैसी सरकारी पहल इसे तकनीकी कंपनियों और डेटा पेशेवरों के लिए एक मैग्नेट बनाती है। इसके साथ ही कॉम्पिटिटिव सैलरी पैकेज और हाई क्वालिटी ऑफ लाइफ इसकी अपील को और बढ़ाती है।

जर्मनी

जर्मनी डेटा एनालिटिक्स पेशेवरों के लिए बेस्ट विकल्प हो सकता है। देश एक मजबूत विनिर्माण क्षेत्र और बढ़ते तकनीकी परिदृश्य का दावा करता है, खासकर म्यूनिख और बर्लिन जैसे शहरों में। कार्य-जीवन संतुलन पर जोर देते हुए और उदार सामाजिक लाभ प्रदान करते हुए, जर्मनी एक आकर्षक कार्य वातावरण प्रदान करता है।

ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया डेटा विश्लेषकों के लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। सिडनी और मेलबर्न प्रमुख तकनीकी कंपनियों और स्टार्टअप की मेजबानी करते हैं, जिससे स्किल्ड पेशेवरों की मांग बढ़ रही है। आरामदायक लाइफस्टाइल और उदार इमीग्रेशन नीतियां इस फील्ड में बदलाव चाहने वालों के लिए ऑस्ट्रेलिया को एक आकर्षक विकल्प बनाती हैं। इसके अलावा डेटा एनालिटिक्स की फील्ड में ब्राजील और चीन जैसे उभरते देशों के बारे में भी आप विचार कर सकते हैं।

पीयूसी सर्टिफिकेट इसलिए होता है जरूरी

भारत में कुछ सालों से पॉल्यूशन काफी ज्यादा बढ़ गया है। खासकर दिल्ली, मुंबई, बैंगलोर जैसे राज्य में पॉल्यूशन काफी ज्यादा खराब हो गया है। ऐसे में सरकार हर कुछ कर रही है ताकि वह पॉल्यूशन के लेवल को ठीक कर सकें। पीयूसी का मतलब होता है पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल सर्टिफिकेट। यह कार के लिए बनवाना काफी ज्यादा जरूरी है। अगर आपके पास पीयूसी सर्टिफिकेट नहीं है तो आपको करीब 10 हजार का चालान देना होगा।

क्यों है जरूरी

पीयूसी देते समय यह जांच की जाती है कि कोई गाड़ी तय किए गए स्टैंडर्ड से ज्यादा पॉल्यूशन तो पॉल्यूशन नहीं कर रही हैं ना। इसकी जांच होती है जो कि आप किसी भी पेट्रोल पंप पर करवा सकते है। इसके बाद वह आपको एक पीयूसी सर्टिफिकेट देती है। इस सर्टिफिकेट को आप चेकिंग वाले को दिखाकर बच सकते हैं।

ऐसे बनवाएं पीयूसी सर्टिफिकेट

अगर आपने नई गाड़ी खरीदी है तो गाड़ी खरीदते समय ही आपको पीयूसी का सर्टिफिकेट दे दिया जाता है। इसलिए समय- समय पर आपको पेट्रोल पंप से पीयूसी सर्टिफिकेट बनवाते रहना चाहिए। बता दें कि पीयूसी सर्टिफिकेट की वैलिडिटी 6 महीने की होती हैं। इसे बनवाने के लिए आपको 60 से 100 रुपये की फीस का भुगतान करना होता है।

पीयूसी सर्टिफिकेट के फाइदे

ऐसे में अगर आपने भी अभी तक अपनी गाड़ी का पीयूसी सर्टिफिकेट नहीं बनवाया है तो इसे तुरंत ही बनवा लें। इसके महंगे चालान से आप बच सकते हैं। पीयूसी सर्टिफिकेट सभी गाड़ी को बनवाना जरूरी होता है। गाडी नई हो या पुरानी आप गाड़ी को भारत के किसी भी राज्य में चला रहे हो आपके पास पीयूसी सर्टिफिकेट होना जरूरी हैं।

GENERAL KNOWLEDGE

▶▶ **स्पेस** में जाने वाला सबसे पहला जानवर कौन सा था?

उत्तर-बता दें कि स्पेस में जाने वाला सबसे पहला जानवर एक कुत्ता था, जिसका नाम Laika था।

▶▶ बताएं आखिर छठ पूजा किस राज्य का प्रसिद्ध त्यौहार है?

उत्तर-छठ पूजा बिहार का सबसे प्रसिद्ध त्यौहार है, इसमें उगते हुए और डूबते हुए सूरज की पूजा की जाती है।

▶▶ आखिर वो कौन सा पक्षी है, जो इंसान के हाथ लगाते ही मर जाता है?

उत्तर- दरअसल, वो पक्षी टिटोनी है, जो इंसानों के हाथ लगाते ही मर जाता है।

▶▶ आखिर वो कौन सा जीव है, जो इंसान से ज्यादा पेड़ लगाता है?

उत्तर- गिलहरी ही वो जीव है, जो इंसानों से ज्यादा पेड़ लगाती है।

कुत्तों की समस्या को लेकर दायर जनहित याचिका की सुनवाई में कोर्ट ने कहा

नगर निगम हर 15 दिन में रिपोर्ट प्रस्तुत कर बताए कि स्थिति में कितना सुधार हुआ

इंदौर। इंदौर यह बात हाई कोर्ट ने इंदौर में लगातार बढ़ रही कुत्तों की समस्या को लेकर दायर जनहित याचिका का निराकरण करते हुए कही। कोर्ट ने कहा कि हम इस बारे में विस्तृत दिशा निर्देश भी जारी करेंगे। याचिका में सोमवार को युगलपीठ के समक्ष सुनवाई हुई। नगर निगम की तरफ से एडवोकेट कमल एरन ने पैरवी की। पिछली सुनवाई पर कोर्ट ने नगर निगम और शासन से याचिका में जवाब मांगा था।

सोमवार को नगर निगम के वकील ने जवाब के लिए समय मांगा तो कोर्ट ने कहा कि यह समस्या इतनी गंभीर है कि इसका निराकरण जरूरी है। हम जवाब के लिए समय देने के बजाय दिशा-निर्देश ही जारी कर देते हैं। कुत्तों के काटने के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इंदौर में हर कोई इससे परेशान है। समाचार पत्रों में हमेशा यह मामला छाया रहता है। तमाम प्रयासों के बावजूद यह समस्या नियंत्रित नहीं हो रही। कोर्ट खुद अब इसकी निगरानी करेगी। नगर निगम हर 15 दिन में रिपोर्ट प्रस्तुत कर बताए कि स्थिति में कितना सुधार हुआ है। इसके लिए एक कमेटी भी बनाई जाएगी। यह बात हाई कोर्ट ने इंदौर में लगातार बढ़ रही कुत्तों की समस्या को लेकर दायर जनहित याचिका का निराकरण करते हुए कही। कोर्ट ने कहा कि हम इस बारे में विस्तृत दिशा निर्देश भी जारी करेंगे। याचिका में सोमवार को युगलपीठ के समक्ष सुनवाई हुई। नगर निगम की तरफ से एडवोकेट कमल एरन ने पैरवी की। पिछली सुनवाई पर कोर्ट ने नगर निगम और शासन से याचिका में जवाब मांगा था। सोमवार को नगर निगम के वकील ने जवाब के लिए समय मांगा तो कोर्ट ने कहा कि यह समस्या इतनी गंभीर है कि इसका निराकरण जरूरी है। हम जवाब के लिए समय देने के बजाय दिशा-निर्देश ही जारी कर देते हैं।

नसबंदी पर करोड़ों रुपये खर्च किए–हाई कोर्ट में यह जनहित याचिका वंदना जैन ने दायर की थी। याचिका में कहा था कि इंदौर में शायद ही ऐसा कोई क्षेत्र होगा जहां कुत्तों का आतंक न हो। शहर में कुत्तों के काटने के मामले में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। नगर निगम ने कुत्तों की नसबंदी के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए हैं, बावजूद इसके इनकी संख्या कम नहीं हुई। इंदौर में सिर्फ शासकीय हुकमचंद पाली क्लीनिक पर ही एंटी रैबीज टीका लगाने की व्यवस्था है, जबकि नियमानुसार हर शासकीय अस्पताल में एंटी रैबीज इंजेक्शन लगाने की व्यवस्था होना चाहिए।

15 मार्च के पहले सभी विधानसभा क्षेत्रों में खुलेंगे चुनाव कार्यालय

केन्द्रीय कार्यालय का शुभारंभ अटका, अब अगले सप्ताह ही होने की उमीद

इन्दौर। भाजपा लोकसभा चुनाव को लेकर सभी 8 विधानसभा क्षेत्रों में कार्यालय खोलेगी। कल भाजपा कार्यालय पर हुई बैठक में लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक में राज्यसभा सांसद सुमेरसिंह सोलंकी ने कहा कि 15 मार्च के पहले ये कार्यालय खोले जाएं और मुख्य चुनाव कार्यालय भी 10 तारीख के ज पहले शुरू कर दिया जाए, ताकि वहां से चुनावी गतिविधियां संचालित हो सके।

बैठक में सांसद शंकर लालवानी, लोकसभा विस्तारक अनुज दुबे, लोकसभा चुनाव संयोजक रवि रावलिया, जिला प्रभारी रायसिंह सेंधव, नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे, जिला अध्यक्ष घनश्याम नारोलिया, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक गोलू शुक्ला, मधु वर्मा, सावन सोनकर, गोपीकृष्ण नेमा आदि नेता मौजूद रहे। सोलंकी ने कहा कि हमारे यहां नेता नहीं कार्यकर्ता और संगठन चुनाव लड़ता है। इसलिए इस बार 400 पार के नारे को हमें सार्थक करते हुए अधिक से अधिक सीटें भाजपा की झोली में डालना है। उन्होंने कहा कि चुनावी गतिविधि शुरू हो गई है। हमें 15 मार्च के पहले अपनी विधानसभा में कार्यालय खोलना है और केन्द्रीय कार्यालय का शुभारंभ भी जल्दी करना है। विधानसभा स्तर पर 8 बूथ प्रबंधन समितियां भी तैयार की जाना है। रावलिया ने भी शक्ति केन्द्रों को सक्रिय करने, बूथ सशक्तिकरण अभियान में त्रिदेव और 11 लोगों की संचालन समिति के साथ-साथ पन्ना प्रमुखों को सक्रिय कर काम कराना है। लोकसभा विस्तारक अनुज दुबे ने कहा कि शक्ति केंद्र टोली का सत्यापन करें। इन्हें बूथ तक प्रवास करना है और बूथों की ग्रेडिंग करके कमजोर बूथों पर काम करना है।

मोबाइल में एंटी वायरस अपलोड करने के नाम पर ठगी

खाते से उड़ाए 23.70 लाख रुपये

इंदौर। देहरादून निवासी एक कर्मचारी के साथ ठगी का मामला सामने आया है। जहां आरोपित ने पीड़ित के मोबाइल में एंटीवायरस डालने के नाम पर उनके बैंक खाते से 33 लाख 70 हजार रुपये उड़ा लिए। फरियादी ने मामले की वसंत विहार थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। फिलहाल पुलिस आरोपित की तलाश में जुटी है। ठगी की यह वारदात राहुल अग्रवाल के साथ हुई है। वे सर्जिकल के सामान का व्यापार करते हैं और उनका जीएमएस रोड पर अग्रवाल इंटरप्राइजेज नाम से ऑफिस है। पीड़ित के अनुसार उनके यहां इंदौर निवासी स्वागतम पात्रा पिछले आठ माह से कार्य कर रहा है। राहुल के अनुसार शुक्रवार को उनके फोन में वायरस आने पर उन्होंने स्वागतम को एंटीवायरस अपलोड करने के लिए फोन दिया था।

जिसके बाद स्वागतम उनका फोन और स्कूटी लेकर चला गया। फरियादी ने बताया कि शाम को उन्हें उनके बैंक खाते से 23 लाख 70 हजार रुपये ट्रांसफर होने की जानकारी मिली। जिसके बाद स्वागतम से कोई संपर्क नहीं हो सका और वह उनकी स्कूटी सहित फरार हो गया। पुलिस के अनुसार आरोपित अपने सभी दस्तावेज लेकर फरार हुआ है। साथ ही पीड़ित ने उसका पुलिस वेरिफिकेशन भी नहीं करवाया था। फिलहाल आरोपित की तलाश की जा रही है।

भाजपा जिलाध्यक्ष बनने पर स्वागत

इंदौर। लोकप्रिय भाजपा नेता चिंटू वर्मा को भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष बनने पर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट के निवास पर स्वागत किया जिसमे जिला पंचायत सदस्य बृजमोहन राठी,माखन गोखले (सरपंच) योगेश गेंदर (पार्षद) सुरेश टैलर ,रवि दुबे जी उपस्थित थे।

निगमकर्मी से लूट 20 हजार

इंदौर। विजयनगर इलाके में निगम कर्मचारी के साथ बाइक सवार दो बदमाशों ने लूट की वारदात को अजांम दिया। पुलिस के मुताबिक संतोष प्रजापत निवासी राजाबाग कॉलोनी ने बताया कि वह निगम में मस्टरकर्मी है। अपनी बाइक से सयाजी होटल के पीछे से जा रहा था तभी दो एक्टिवा सवार उसके पास पहुंचे ओर गाड़ी रोकने की बात की।

डकैत सोमला को आलीराजपुर ले जाएगी पुलिस, रिश्तेदारों के भी शामिल होने का शक

इन्दौर। बाणगंगा की लंदन विलाज टाउनशिप में हुई डकैती में गिरफ्तार सोमला साथियों के नाम बताने के बजाय गुमराह कर रहा है। उसका रिमांड दोबारा मांगने के लिए कोर्ट में आवेदन किया जाएगा। वहीं, लूटे गए जेवरों की जब्ती के लिए जल्द ही एक टीम उसे आलीराजपुर ले जाएगी। डीसीपी जोन-2 अमरेंद्र सिंह ने बताया कि सोमला ने जिन साथियों के नाम बताए उन पर अफसरों को विश्वास नहीं है। हालांकि एक टीम अभी भी धार-झाबुआ - आलीराजपुर के जंगलों में पड़ताल में जुटी है। पुलिस का कहना है कि वारदात के बाद सभी जेवर अपने इलाके के खेत या जंगल में छिपाकर आया है। जल्द ही जेवरों की जब्ती करवाएंगे। सोमला के रिश्तेदारों की तलाश डकैती में सोमला के रिश्तेदारों की ही भूमिका है। इसके सुराग पुलिस ने फुटेज से जुटाए हैं। बताते हैं सोमला के साथ उसके मामा का लड़का राजू खजूर खां (दत्तीगांव), बुआ का लड़का रमेश व नानू उर्फ नानिया शामिल रहे हैं।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी जयश्री जैन द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स 13, प्रेस कॉम्प्लेक्स ए.बी. रोड इंदौर से मुद्रित एवं 22, प्रेस काम्पलेक्स, प्रेस हाऊस, ए.बी. रोड इंदौर 452008 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. राजेश जैन, मो. 9425322301 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)